राजस्थान पत्रिका

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है।

# सीरी एवं शैक्षणिक संस्थान मिल कर करेंगे काम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

*पिलानी. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते संबंधित पक्षों के अधिकारी।*

**झुंझुनूं.** केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के जयपुर परिसर में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम के सीएसआर सहयोग से आयोजित एडवांस्ड इंडस्ट्रियल आईओटी कौशल विकास कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हुआ। आयोजन में उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीरी पिलानी एवं पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एमिटी विश्वविद्यालय तथा एपेक्स विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन के माध्यम से सीरी एवं इन शैक्षणिक संस्थानों के बीच संयुक्त प्रशिक्षण, अनुसंधान, इंटर्नशिप एवं ज्ञान विनिमय को बढ़ावा दिया जाएगा। समापन समारोह के एनरट्रैक इंस्ट्रूमेंट्स प्रा. लि. क निदेशक अरविंद कौल मुख्यअतिथि थे। उन्होंने उपस्थित को सम्बोधित करते हुए अपने औद्योगिक अनुभव साझा किए तथा व्यावहारिक कौशल, अनुकूलन क्षमता एवं सतत सीखने के महत्व की आवश्यकता पर बल दिया। सीरी संस्थान निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने विषय पर चर्चा करते हुए उभरती प्रौद्योगिकियों में दक्ष, उद्योग के लिए तैयार मानव संसाधन की आवश्यकता जताई तथा सीरी संस्थान में युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण, आधुनिक अवसंरचना एवं औद्योगिक सहयोग के माध्यम से सशक्त बनाने के जानकारी दी। आयोजन में एमिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अमित जैन , पूर्णिमा इंजीनियरिंग कॉलेज, के निदेशक डा. महेश बुंदेला , अपेक्स यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पंकज शर्मा आदि ने सम्बोधित करते हुए विषय पर चर्चा की। सीरी संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी बोरा ने बताया कि समझौता से विद्यार्थियों को उन्नत प्रयोगशालाओं औद्योगिक अनुभव एवं विशेष प्रशिक्षण प्राप्त होगा जिससे उनके कॅरियर को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक माह के प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर, पीसीबी डिजाइन, एम्बेडेड प्रणाली, इंडस्ट्रियल आईओटी तथा एंड्रॉयड एप्लिकेशन डेवलपमेन्ट का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आयोजन में सीरी के जयपुर परिसर प्रभारी डॉ. विजय चटर्जी एवं प्रभारी वैज्ञानिक साई कृष्ण वड्डादि की अहम भूमिका रही।